ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

19 October 2024

अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस

सन्दर्भ: हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्र को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने पाली भाषा और भगवान बुद्ध की पवित्र शिक्षाओं के संरक्षण और संवर्धन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

- इस कार्यक्रम में पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता भी दी गयी। प्रधानमंत्री ने पाली के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर जोर दिया, क्योंकि यह वह भाषा है जिसके माध्यम से बुद्ध की शिक्षाओं को व्यक्त किया गया था। उन्होंने दोहराया कि इसका संरक्षण भारत की सभ्यतागत विरासत की सुरक्षा के लिए अभिन्न अंग है।

शास्त्रीय भाषा:

- शास्त्रीय भाषा एक ऐसा पदनाम है, जो समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत वाली भाषाओं को दिया जाता है, जिन्होंने सभ्यताओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत में, सरकार निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर शास्त्रीय भाषा का दर्जा देती है:
  - » **प्राचीनता:** भाषा का एक लम्बा प्रलेखित इतिहास होना चाहिए, जो सामान्यत: 1500-2000 वर्ष पुराना हो।
  - » **साहित्यिक परंपरा:** भाषा में विभिन्न प्राचीन ग्रंथों, महाकाव्यों और उच्च गुणवत्ता वाले साहित्यिक कार्यों का व्यापक संग्रह होना चाहिए।
  - » **स्वतंत्रता:** शास्त्रीय भाषा किसी अन्य भाषा से उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।
  - » **विरासत:** भाषा और उसके ग्रंथों ने राष्ट्र की विरासत में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो तथा आधुनिक भाषाओं और संस्कृति को प्रभावित किया हो।
- संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया जैसी भाषाओं को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा दिया गया है। अब बुद्ध की शिक्षाओं की भाषा पाली को भी यह दर्जा दिया गया है।

दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ने की सॉफ्ट पावर के रूप में बौद्ध धर्म:

- बौद्ध धर्म लंबे समय से भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच एक सांस्कृतिक सेतु रहा है, जोकि कूटनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण सॉफ्ट पावर क्षमता प्रदान करता है।
- सॉफ्ट पावर, दबाव नीति का प्रयोग न करते हुए सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और वैचारिक समानता के माध्यम से दूसरों को आकर्षित करने और प्रभावित करने की क्षमता है।

सांस्कृतिक प्रभाव:

- **ऐतिहासिक संबंध:** बौद्ध धर्म 2,000 साल पहले भारत से दक्षिण-पूर्व एशिया में फैला, जिसने थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, लाओस, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों को प्रभावित किया। श्रीविजय और अंगकोर जैसे प्राचीन साम्राज्य बौद्ध संस्कृति से प्रभावित थे।
- **साझी विरासत:** कई दक्षिण-पूर्व एशियाई देश थेरवाद बौद्ध धर्म का पालन करते हैं, जिसकी जड़ें पाली कैनन में हैं और यह भारतीय बौद्ध धर्म से निकटता से जुड़ा हुआ है। भारत को बौद्ध धर्म के जन्मस्थान के रूप में सम्मानित किया जाता है, जो इसे पूरे क्षेत्र के बौद्धों के लिए एक तीर्थस्थल बनाता है।

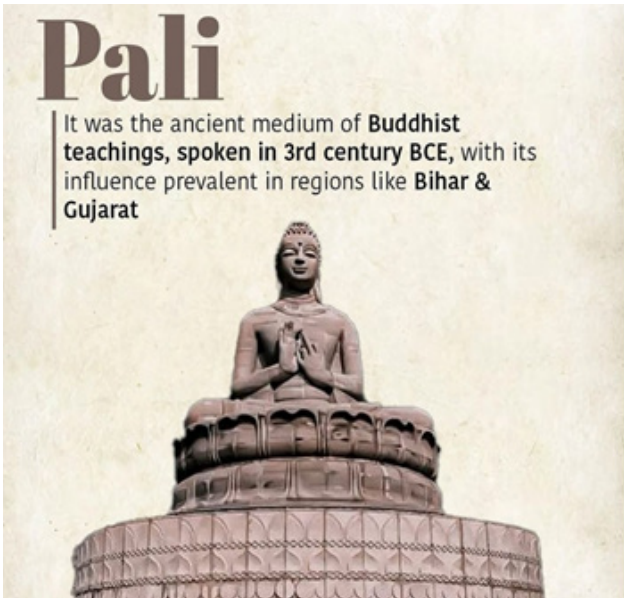

राजनयिक और सांस्कृतिक पहल:

- **बौद्ध कूटनीति:** भारत बौद्ध विरासत का उपयोग दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए कार्यक्रमों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और बौद्ध शिखर सम्मेलनों के माध्यम से कर सकता है।
- बुद्ध सर्किट जैसी पहल, जो भारत और नेपाल में महत्वपूर्ण बौद्ध स्थलों को जोड़ती है, अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करती है और बौद्ध-बहुल देशों के साथ गहरे संबंधों को बढ़ावा देती है।
- **अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी):** भारत द्वारा बौद्ध संवादों को बढ़ावा देना, अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस जैसे आयोजनों और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देना, बौद्ध कूटनीति में भारत के नेतृत्व को और मजबूत करता है।
- बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत की सॉफ्ट पावर एक कूटनीतिक उपकरण के रूप में कार्य करती है, जो द्विपक्षीय संबंधों और सांस्कृतिक प्रभाव को बढ़ाती है, जबकि क्षेत्र में चीन की भू-राजनीतिक उपस्थिति को संतुलित करती है, विशेष रूप से श्रीलंका, थाईलैंड और म्यांमार जैसे देशों में।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

19 October 2024

मैया सम्मान योजना

संदर्भ: हाल ही में, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने 'मैया सम्मान योजना' के तहत महिलाओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता में वृद्धि करने का निर्णय लिया है।

मुख्य विवरण:

- **वित्तीय सहायता में वृद्धि:** 'मैया सम्मान योजना' के तहत महिलाओं को दी जाने वाली मासिक वित्तीय सहायता राशि को 1,000 से बढ़ाकर 2,500 कर दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य राज्य में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।
- **प्रारंभ तिथि:** लाभार्थियों को बढ़ी हुई राशि दिसंबर 2024 से प्राप्त होने लगेगी।
- **लाभार्थी:** वर्तमान में, इस योजना से झारखंड में लगभग 50 लाख महिलाएँ लाभान्वित हो रही हैं, जिनमें सभी 18 वर्ष से अधिक आयु की हैं। संशोधित राशि के साथ, राज्य सरकार पर सालाना 9,000 करोड़ का वित्तीय बोझ बढ़ने का अनुमान है।

मैया सम्मान योजना की पृष्ठभूमि:

- **प्रारंभ:** झारखंड सरकार ने 'मैया सम्मान योजना' की शुरुआत अगस्त 2024 में की थी। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की पहल के तहत, 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 1,000 प्रति माह प्रदान करती थी।
- **उद्देश्य:** इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को अपने घरेलू खर्चों के प्रबंधन में सहायता करना और वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है, विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए जिनके पास नियमित आय नहीं है।

सार्वभौमिक बुनियादी आय (यूबीआई):

- यूनिवर्सल बेसिक इनकम (UBI) सभी नागरिकों को दिया जाने वाला एक नियमित, बिना शर्त नकद हस्तांतरण है, चाहे उनकी आय या सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। इसका लक्ष्य वित्तीय सुरक्षा प्रदान करके और लोगों को काम चुनने में अधिक स्वतंत्रता देकर गरीबी और असमानता को कम करना है।
- **अनुच्छेद 41:** बेरोजगारी, वृद्धावस्था, बीमारी, विकलांगता और अन्य अवांछनीय अभाव की स्थिति में काम, शिक्षा और सार्वजनिक सहायता के अधिकार की गारंटी देता है।
- **लाभों में शामिल हैं:**
  - » आर्थिक स्वतंत्रता
  - » भ्रष्टाचार में कमी
  - » धन का न्यायसंगत वितरण
- **हालाँकि, इसमें कुछ चुनौतियाँ भी हैं, जैसे:**
  - » उच्च राजकोषीय लागत
  - » मुद्रास्फीति का जोखिम
  - » कार्यबल भागीदारी में संभावित कमी
- आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 में भारत में यूबीआई को अधिक व्यवहार्य बनाने के लिए महिलाओं या कमजोर समूहों को लक्षित करने जैसे विकल्प सुझाए गए हैं।

निष्कर्ष:

झारखंड सरकार ने 'मैया योजना' के तहत मासिक सहायता राशि बढ़ाने का कदम उठाया है। यह सम्मान योजना आगामी चुनावों से पहले महिलाओं की वित्तीय स्थिति को बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विकास है। इस योजना के माध्यम से, राज्य सरकार ने महिलाओं की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने का लक्ष्य रखा है, जो न केवल व्यक्तिगत विकास में सहायक होगा, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी कारण बनेगा।

2025-26 सीजन के लिए रबी फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी की घोषणा

सन्दर्भ: हाल ही में केंद्र सरकार ने 2025-26 विपणन सत्र के लिए छह रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में वृद्धि की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी।

प्रमुख एमएसपी बढ़ोतरी:

- **गेहूं:** 150 रूपये प्रति क्विंटल बढ़कर 2,425 हो गया, जो 6.59% की वृद्धि है।
- **जौ:** 130 रूपये प्रति क्विंटल बढ़कर 1,980 हो गया, जो 7.03% की वृद्धि है।
- **चना:** 210 बढ़कर 5,650 हो गया, जो 3.86% की वृद्धि है।
- **मसूर दाल:** मसूर दाल 275 की वृद्धि के साथ 6,700 हो गई।
- **रेपसीड और सरसों:** रू. 300 प्रति क्विंटल की वृद्धि के साथ अब इसका मूल्य 5,990 हो गया है।
- **कुसुम:** 140 की वृद्धि के साथ कुसुम का मूल्य 5,940 हो गया।

गेहूं:

- धान के बाद भारत में दूसरी सबसे बड़ी फसल गेहूं के एमएसपी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2023-24 में, 318.33 लाख हेक्टेयर में गेहूं

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

की खेती की गई, जिसका अनुमानित उत्पादन 113.92 मिलियन टन था।

- गेहूं उत्पादन में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है, उसके बाद मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा का स्थान है। चालू रबी विपणन सीजन (आरएमएस) 2024-25 के दौरान सरकार ने 26.6 मिलियन टन गेहूं खरीदा, जिससे 22 लाख किसानों को लाभ मिला।

रबी फसल	नई एमएसपी रुपये प्रति क्विंटल में	वृद्धि रुपये में
गेहूं	2425	150
जौ	1980	130
चना	5650	210
मसूर	6700	275
सरसों	5950	300
सूरजमुखी	5940	140

चना:

- भारत की सबसे बड़ी दलहनी फसल चना के एमएसपी में रू. 210 की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2023-24 में, 95.87 लाख हेक्टेयर में चने की खेती की गई, जिससे 11.03 मिलियन टन उत्पादन हुआ।
- महाराष्ट्र इसका सबसे बड़ा उत्पादक है, जो कुल उत्पादन में लगभग 25% का योगदान देता है। अन्य प्रमुख चना उत्पादक राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

मसूर और तिलहन:

- मसूर की एमएसपी में रू. 275 की वृद्धि की गई है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल प्रमुख मसूर उत्पादक राज्य हैं। भारत अपनी मसूर की आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है; 2023-24 में 1.67 मिलियन टन मसूर का आयात किया गया।
- सोयाबीन के बाद दूसरी सबसे बड़ी तिलहन फसल रेपसीड और सरसों के लिए नया एमएसपी 5,990 प्रति क्विंटल है। राजस्थान सबसे अधिक सरसों उत्पादन करने वाला राज्य है, उसके बाद मध्य प्रदेश और हरियाणा का स्थान है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के बारे में:

- न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) भारत सरकार द्वारा किसानों को उनकी फसलों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए नियोजित एक महत्वपूर्ण तंत्र है।
- एमएसपी को केंद्र सरकार द्वारा कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिशों के आधार पर तय किया जाता है। कृषि लागत और मूल्य आयोग एक वैधानिक निकाय हैं। ये सिफारिशें खरीफ विपणन सीजन (KMS) और रबी विपणन सीजन (RMS) के लिए अलग-अलग की जाती हैं।
- कटाई के बाद, सरकार किसानों से उस सीजन के लिए अधिसूचित MSP पर फसल खरीदती है, ताकि किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।
- भारत सरकार हर साल 22 प्रमुख कृषि जिंसों के लिए एमएसपी की घोषणा करती है, जिसमें 14 खरीफ फसलें, 6 रबी फसलें और 2 वाणिज्यिक फसलें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, तोरिया और छिलका रहित नारियल के लिए एमएसपी भी क्रमशः रेपसीड और सरसों तथा खोपरा के एमएसपी के आधार पर तय किया जाता है।

एमएसपी का महत्व:

- एमएसपी किसानों को बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो विभिन्न कारकों जैसे कि अच्छी फसल के कारण कीमतों में गिरावट के कारण हो सकता है। न्यूनतम मूल्य की गारंटी प्रदान करके, एमएसपी किसानों को फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे एक स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होती है और कृषि अर्थव्यवस्था का समर्थन मिलता है।

पॉवर पैक्ड न्यूज

मेरा होउ चोंगबा 2024 महोत्सव

- मेरा हौ चोंगबा 2024 त्योहार 15वें लूनर दिन पर इंफाल, मणिपुर में मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के विभिन्न जातीय समूहों, विशेष रूप से पहाड़ियों और घाटियों में रहने वाले स्वदेशी समुदायों के बीच एकता और एकजुटता को बढ़ावा देना था। राज्य स्तरीय आयोजन समिति ने ऐतिहासिक मणिपुर रॉयल पैलेस और कंगला के पवित्र स्थल पर उत्सव आयोजित किए, जहां पहाड़ी जिलों के गांव प्रमुख शामिल हुए।
- मणिपुर के मानद राजा और राज्यसभा सांसद लेइशेम्बा सनाजाओबा ने रॉयल पैलेस में गांव प्रमुखों, सांस्कृतिक समूहों और प्रतिभागियों के लिए स्वागत समारोह की मेजबानी की।
- उत्सव पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ शुरू हुआ, जिसमें कंगला उत्तरा में सुबह में मेन टोंगबा और

येनखोंग तांबा शामिल थे, इसके बाद थांग ता सल्यूटेशन और मइबा द्वारा आमंत्रण किया गया।

- मेन टोंगबा में चावल की बीयर का औपचारिक रूप से अर्पण किया जाता है, जबकि येनखोंग तांबा मेन टोंगबा के बाद एक और अनुष्ठान है, जिसमें विभिन्न खाद्य पदार्थों, फलों और मिठाइयों की तैयारी और अर्पण शामिल है।
- मेरा हौ चोंगबा त्योहार अनोखा था क्योंकि इसने पहाड़ी और घाटी के स्वदेशी समुदायों को एक साथ लाया, उनके बीच सद्भाव और सहयोग को बढ़ावा दिया।

सुर्खियों में स्थान

हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की अपनी राजकीय यात्रा पर थी-

अल्जीरिया

- अल्जीरिया अफ्रीका का सबसे बड़ा देश और दुनिया का दसवां सबसे बड़ा देश है।
- यह उत्तरी अफ्रीका में स्थित है, जो उत्तर में भूमध्य सागर, उत्तर-पूर्व में ट्यूनीशिया और लीबिया, दक्षिण-पूर्व में नाइजर, दक्षिण-पश्चिम में माली, पश्चिम में पश्चिमी सहारा और उत्तर-पश्चिम में मोरक्को से घिरा है।
- इसकी राजधानी शहर अल्जीयर्स है।
- अल्जीरिया का समृद्ध इतिहास है, जोकि फोनीशियन, रोमन और अरबों सहित विभिन्न सभ्यताओं से प्रभावित है।
- देश ने एक लंबी और संघर्षपूर्ण मुक्ति युद्ध के बाद 1962 में फ्रांस से स्वतंत्रता हासिल की।

मॉरिटानिया

- मॉरिटानिया पश्चिम अफ्रीका में स्थित एक देश है, जिसकी सीमा पश्चिम में अटलांटिक महासागर, उत्तर में पश्चिमी सहारा, उत्तर-पूर्व में अल्जीरिया, पूर्व और दक्षिण-पूर्व में माली, तथा दक्षिण-पश्चिम में सेनेगल से लगती है।
- देश की विशेषता सहारा रेगिस्तान है, और इसकी एक छोटी आबादी राजधानी नौआकचॉट (Nouakchott) जैसे शहरी क्षेत्रों में केंद्रित है।
- मॉरिटानिया की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, मछली पकड़ने और खनन, विशेष रूप से लौह अयस्क पर आधारित है। राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत अरब, बर्बर और अफ्रीकी परंपराओं से प्रभावित है।

मलावी

- मलावी दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में स्थित एक स्थल-रुद्ध देश है, जिसकी सीमा उत्तर में तंजानिया, पूर्व, दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम में मोजाम्बिक, तथा पश्चिम में मलावी झील से लगती है।
- मलावी अपने आश्चर्यजनक परिदृश्यों के लिए जाना जाता है, जिसमें अफ्रीका की सबसे बड़ी झीलों में से एक मलावी झील भी शामिल है, जो यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल है।
- राजधानी शहर लिलोंग्वे है, जबकि ब्लैंटायर देश का वाणिज्यिक केंद्र है। मलावी की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है, जिसमें तंबाकू, चाय और कॉफी प्रमुख निर्यात हैं।
- देश को उसके गर्मजोशी भरे और मैत्रीपूर्ण लोगों के लिए भी जाना जाता है, जिन्हें अक्सर 'अफ्रीका का गर्म दिल' कहा जाता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029